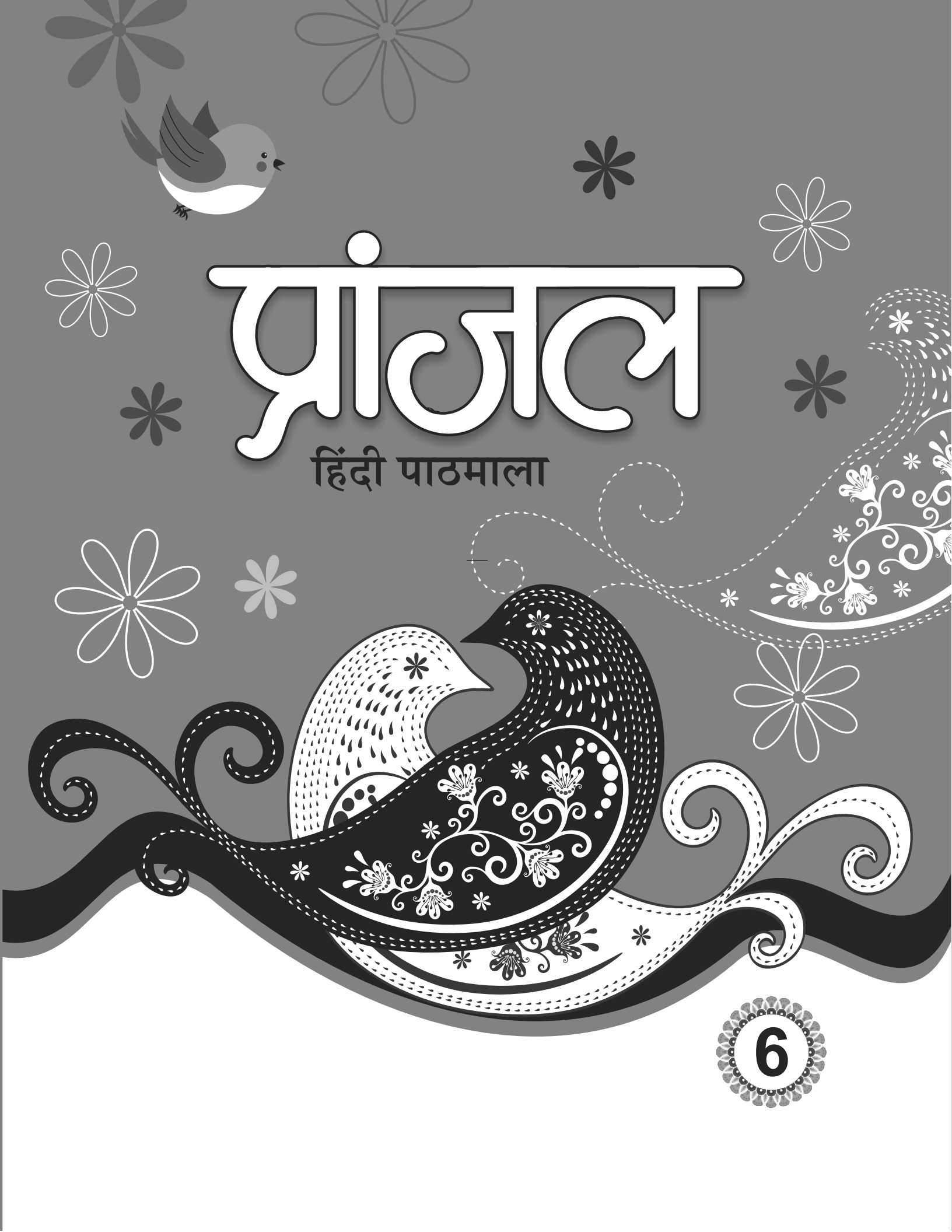
प्रांजल
हिंदी पाठमाला
6

1. वीरों की पूजा

(क) 1. (i) संन्यासी
2. (ii) पीतांबर
3. (iii) तलवारें
4. (iv) जौहर
5. (i) बच्चों ने

(ख) 1. चित्तौड़ की सुंदरियों ने देश की भलाई के लिए जौहर-व्रत करना सीखा।
2. बच्चों ने स्वतंत्रता के लिए मरना सीखा।
3. जौहर-व्रत से तात्पर्य एक सामूहिक बड़े हवन कुण्ड में स्त्रियों का जीवित आग में जल जाना है।
4. कविता के रचयिता श्यामनारायण पांडेय हैं।

(ग) 1. वह युवक अपनी ही धुन में उस दिशा में चला जा रहा था, जिस ओर कोई तीर्थ-स्थल आदि न थे, इसलिए कवि ने मतवाला संन्यासी कहा है।
2. कवि संन्यासी से पूछता है कि तुम राम नाम का पीला वस्त्र शरीर पर डाले मस्ती में झूमते, क्या अपना रास्ता भूल गए हो।
3. चित्तौड़ महाराणा प्रताप की राजधानी थी जिसकी स्वतन्त्रता के लिए महाराणा प्रताप, जवानों और बच्चों ने अपनी जान की भी परवाह नहीं की।
4. पराधीन सपनेहु सुख नाहि। पराधीन व्यक्ति और देश वास्तविक स्वतन्त्रता का उपयोग नहीं कर पाता।

(घ) 1.

पूजा	पुजारी	दीप	दीपमाला
हित	हितकारी	तीर्थ	तीर्थयात्रा

2.

खिला-खिला	बुझा-बुझा
भला-भला	थका-थका

3.

अनाम	
अजेय	सुपथ
अहित	प्रदेश

4.

प्रयाग	रामेश्वर	काशी	चित्तौड़

(ङ)

गंगाजल	ग्रामवासी	रामसीता	घुड़सवार

(च) 1. पीतांबर वस्त्र साधु-संन्यासी या पुजारी या भक्त पहनते हैं।
2. तीर्थ करने से पुण्य प्राप्त होता है।
3. संन्यासी जीवन की चिंताओं से मुक्त होता है।
4. पावन हृदय से दुश्मन भी प्रभावित होते हैं।
5. स्वतन्त्रता के लिए हमारे देश के वीरों ने प्राणों की आहुति दी है।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  हम एक ईमानदार और कर्त्तव्यनिष्ठ नागरिक बनकर देश के विकास में सहयोग कर सकते हैं। हम सेवा, व्यापार-वाणिज्य और सैन्य क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करके देश के विकास में सहयोग कर सकते हैं।
- **कला समन्वय**
  छात्र स्वयं करें।

❑

2. दुर्लभ गुण

(क) 1. (ii) उसकी ईमानदारी को
2. (i) प्रताप का भाई
3. (iii) उसके दोनों पैर कुचल गए
4. (i) अहीर टोला

(ख) 1. कृष्णकुमार 2. बसन्त 3. प्रताप 4. राजकिशोर
5. डॉक्टर 6. राजकिशोर

(ग) 1. **सन्दर्भ एवं भाव**—कृष्णकुमार, राजकिशोर से कहता है वह लड़का अब नहीं आएगा। बाजार के हर कोने में ऐसे लड़के ठगने का काम गिड़गिड़ाकर करते हैं। वह आगे कहता है कि वे तो गरीब मजदूरों के सेवक हैं अर्थात् उनके हितैषी और उनके लिए संघर्ष करने वाले हैं। अगर वह रूपया ले भी गया तो वह घर में ही है अर्थात् किसी अपने को मिला है।
2. जब कृष्णकुमार कहते हैं वह नहीं आएगा तो राजकिशोर कहते हैं कि कोई बात नहीं एक रुपया गया लेकिन उससे एक सबक ले लिया।
3. जब राजकिशोर बसन्त को पैसे देते हैं तो वह मना कर देता है बिना छलनी लिए वह पैसे नहीं लेगा, यह तो भीख हुई।

(घ) 1. राजकिशोर एक उदार हृदय वाले गरीब मजदूरों के सेवक या नेता हैं।
2. बसन्त चाहता था कि वह छलनी खरीद लें।
3. कृष्णकुमार बाजार के ऐसे लड़कों को ठग समझते थे।
4. चोट लगने के बावजूद उसने अपने भाई प्रताप को राजकिशोर के 80 पैसे लौटाने के लिए उनके घर भेजा।
5. ईमानदार व्यक्ति मिलना आज बहुत कठिन है। लाखों में कोई एक ईमानदार मिलता है। अत: लेखक ने ईमानदारी को दुर्लभ गुण कहा है।

(ङ) 1. दु: + गम, दु: + बोध, दु: + विचार, दु: + गति, दु: + जन
2. (i) सुगम कार्य सभी को प्रिय होते हैं।

(ii) सुबोध वाक्यों से निबन्ध अच्छा लगता है।
(iii) सुविचार करके ही कोई कार्य करें।
(iv) सुगति की इच्छा प्रत्येक व्यक्ति करता है।
(v) सुजन सबके प्रिय होते हैं।

(च) नोट डॉक्टर मोटर हैलो

शब्द	**नया शब्द**	**अर्थ**
1. ईमान	ईमानदार	ईमान वाला
2. दुकान	दुकानदार	दुकान वाला
3. हवा	हवादार	हवा वाला
4. इज्जत	इज्जतदार	इज्जत वाला
5. वफा	वफादार	वफा वाला
6. माल	मालदार	माल वाला

(छ) ईमानदारी नैतिकता की पहली सीढ़ी है। यदि आप ईमानदार हैं तो स्वयंमेव ही आपके भीतर करूणा, उदारता, परोपकार की भावनाओं का उदय हो जाएगा। ईमानदारी से व्यक्ति में सत्यनिष्ठा की अमूल्य भावना का भी उदय होता है। ये सभी गुण मिलकर व्यक्ति को संवेदनशील ओर सज्जन बनाते हैं जिससे देश संवरता है।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

छात्र स्वयं करें।

❑

3. काकी

(क) 1. (i) श्यामू
2. (iii) कोट
3. (iii) काकी
4. (ii) काकी का
5. (iii) जवाहिर ने

(ख) 1. नींद खुलते ही श्यामू ने देखा तो घरभर में कोहराम मचा है।
2. उससे यह बात छिप न सकी कि उसकी माँ राम को प्यारी हो चुकी है।
3. उसे अपनी माँ से बहुत लगाव था।

(ग) 1. श्यामू के घर में कोहराम इसलिए मचा था क्योंकि उसकी माँ मर गई थी।
2. श्यामू के मन में विचार आया कि वह पतंग पर काकी लिखकर इसे राम के यहाँ भेजेगा जिसको पकड़कर काकी नीचे उतरेगी।
3. श्यामू ने पिता से तुरंत पतंग मँगाकर लाने के लिए कहा।

4. श्यामू को देर रात तक नींद इसलिए नहीं आयी क्योंकि उसे संदेह था कि पिता मोटी रस्सी मँगाने के लिए कुछ देंगे नहीं।

5. विश्वेश्वर ने भोला से पूछा कि रस्सी किसने मँगायी थी, भोला ने बताया कि श्यामू ने मँगाई थी, वे इससे पतंग टाँगकर काकी को राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे।

(घ) 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓)

(ङ) 1. भूमि-शयन 2. प्रफुल्ल मन
3. मुखबिर 4. हक्का-बक्का होना

(च)

बुद्धिमती	अकेली
बहिन	काकी

(छ) 1. 1. की 2. से, पर 3. ने, के लिए
4. ने, को, से 5. को

2.

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
शून्य	शून्यतर	शून्यतम
गंम्भीर	गंभीरतर	गंभीरतम
कठिन	कठिनतर	कठिनतम
निम्न	निम्नतर	निम्नतम

- **विचार कौशल**

  चोरी करना एक गलत आदत है। इससे व्यक्ति निकृष्टता की ओर चला जाता है। वह अनेक प्रकार के व्यसनों में पड़ जाता है। उसकी संगत भी चोर उठाईगिरों की हो जाती है। घर और समाज उसे हिकारत की निगाह से देखता है। ऐसे व्यक्ति पर कोई भरोसा नहीं करता यहाँ तक कि उसे लोग अपने घर में भी नहीं घुसने देते।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

  छात्र स्वयं करें।

- **कला समन्वय**

  छात्र स्वयं करें।

❑

4. जरा सोचिए

(क) 1. (iv) एक महीना और चार दिन
2. (ii) राष्ट्रीय
3. (iii) वैयक्तिक
4. (i) जटाशंकर
5. (iii) हड़ताल का होना

(ख) 1. बिन विचारे कोई कार्य करके हर व्यक्ति इसके जाल में फंसकर दिशा से भटक जाता है अर्थात् अपना और समाज का अहित कर बैठता है।
2. सत्य यह है कि सोचना एक आदत है। चिन्तक, लेखक, कवि, दार्शनिक और शायर सोचकर लिखते ही नहीं, निर्णय भी लेते हैं।
3. अचानक में लिए गए निर्णय बिना विचार के परिणाम होते हैं।

(ग) **संदर्भ सहित व्याख्या**—दिनभर के अधिकांश कार्य बिन विचारे किए जाते हैं, अधिकांश निर्णय परिणाम की परवाह किए बिना लिए जाते हैं। अतएव चिन्तन का हमारे व्यक्तिगत जीवन में विशेष महत्त्व है। सोच-विचार से हम अपनी अच्छाइयों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं और कमजोरियों पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। हम अपनी रुचियों यथा गायन, लेखन, एक्टिंग जो भी हो उसे पहचानकर और उसे स्तरीय बनाकर समाज में सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी कार्य को करने से पहले उसके परिणाम पर यदि मनन कर लिया जाए तो परिणाम हमारी उम्मीद के मुताबिक होगा।

(घ) 1. दूध फट गया था।
2. अखबार के ऑफिस में हड़ताल थी।
3. बिना विचारे और कार्य का परिणाम जाने बगैर कार्य करना ओर न सोचने की आदत राष्ट्रीय समस्या है।
4. सोच विचार न करना पलक और निमिष की मन की स्थिति है।
5. बिना सोचे-विचारे कार्य करने से व्यक्ति अनेक प्रकार के संकट में फँस जाता है।

(ङ)

1. वे जीत गए?	1. वे जीत गए!
2. हम जीत गए?	2. हम हार गए!
3. कैच पकड़ लिया?	3. कैच छूट गया!
4. चोर पकड़ा गया?	4. चोर पकड़ा गया!
5. मेहमान आ गए?	5. मेहमान आ गए!

(च)

1. प्रतिध्वनि	—	वापस आती ध्वनि
2. प्रतिघात	—	उल्टा वार
3. प्रतिरोध	—	बाधा डालना
4. प्रतिदान	—	कार्य के बदले दिया धन
5. प्रतिबिम्ब	—	अक्स

(छ) 1. अधिक + अंश 2. नित + अनन्त
3. विद्या + आलय 4. सह + अनुभूति
5. ग्रीष्म + अवकाश

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

छात्र इसे स्वयं करें।

❑

5. बाललीला

(क) 1. (i) माँ से
2. (iii) यशोदा
3. (iv) रत्नावली
4. (i) माखन

(ख) 1. पद्यांश के रचयिता सूरदास है। वे श्रीकृष्ण की बाललीलाओं का वर्णन कर रहे हैं।
2. श्रीकृष्ण, माँ यशोदा से रूठ गए हैं। वे चाँद को लेने की जिद्द करते हैं।
3. मैं तो चंद्र खिलौना लूँगा, वरना यही धरती पर लेट जाऊँगा और तेरी गोद में नहीं आऊँगा। गाय का दूध नहीं पियूँगा और अपनी चोटी भी नहीं गुथवाऊँगा।
4. लोटि — लेटना
एहौं — यही
गुहैहौं — गुथवाना
मोरी — मेरी

(ग) 1. श्रीकृष्ण माँ से चंद्र खिलौना लेने की जिद कर रहे हैं। वे चंद्र को खिलौना समझ रहे हैं।
2. माँ भोर होते ही कृष्ण को गायों के पीछे भेज देती हैं।
3. श्रीकृष्ण के मुख पर मक्खन लगा था।
4. श्रीकृष्ण कद में छोटे हैं वे मक्खन के छींके तक इसलिए नहीं पहुँच पाते।
5. कमर में बाँधने वाली लकुटि को वापस करने की बात करते हैं।

(घ) छात्र स्वयं लिखें।

(ङ)

कहैहौं	जनैहौं	जायो
खायो	पठायो	लगायो
		पायो

(च)

धरती	दोपहर
सिर	शाम या साँझ
सुत	घर
गाय	नाच

(छ) छात्र स्वयं करें।

- **विचार कौशल**

छात्र स्वयं करें।

❑

6. मेरे जीवन की तीन प्रधान बातें

(क) 1. (i) ज्ञानदेव जी ने
2. (ii) आलस्य को
3. (iii) विभिन्न प्रकार के उद्योगों की
4. (iv) रामदास जी ने
5. (ii) प्रार्थना

(ख) 1. बेकारी 2. उद्योग दु:ख
3. तालीम 4. पश्चाताप
5. ढोंग

(ग) 1. जिस घर में परिश्रम करने की शिक्षा नहीं दी जाती उस घर के लड़के शीघ्र ही घर को बर्बाद कर देंगे।
2. आलस के बराबर कोई बैरी नहीं है। आलसी व्यक्ति दरिद्र होकर घर-परिवार का नाश कर लेता है।
3. प्रार्थना ईश्वर से जोड़ती है अतएव जिस दिन प्रार्थना न हो उसे बेकार समझ लेना चाहिए।
4. काम में से गणित आदि को सीख लेना चाहिए।

(घ) 1. अपने देश में आलस्य के वातावरण के आने का कारण बेकारी है।
2. इस संसार को सुखमय बनाने हेतु उद्योग या परिश्रम ही इसका उपाय है।
3. उद्योग या परिश्रम से मन को आराम मिलता है। मन उद्योग में लग जाता है और दु:ख भूल जाता है।
4. विनोबा भावे जी को बचपन में ईश्वर भक्ति की शिक्षा उनकी माताजी से मिली।
5. दिन भर परिश्रम करके अन्त में शाम को और सुबह भगवान का स्मरण करना चाहिए। ये सब परिश्रम करने के बाद की चीज हैं नहीं तो ढोंग हो जायेगा।
6. पाँच-छह घण्टे बच्चों को बिठाकर रखने से उनकी तालीम कभी नहीं होती। अनेक प्रकार के उद्योग चलाने चाहिए और उसमें एक-आधा घण्टा सिखाना पर्याप्त है।
7. उनके विचार से बच्चों को उद्योग सिखाकर उसी में शिक्षा दी जानी चाहिए।

(ङ) छात्र स्वयं करें।

(च) 1. अतिरिक्त उपाय
2. योग्य
3. तुरंत चैन
4. समय प्रवृत्ति
5. वश बात

(छ) 1. परिश्रम से व्यक्ति का जीवन संवरता है।
2. ढाढ़स पाकर वह फिर से घर बनाने में जुट गया।
3. प्रायश्चित से मन हल्का हो जाता है।
4. सुकर्म करने से मन को संतोष प्राप्त होता है।
5. सदाचार से व्यक्ति सबका प्रिय हो जाता है।
6. राजा हरिश्चन्द्र को तारामती ने साड़ी का हिस्सा फाड़कर अर्पित कर दिया।

(ङ) उद्योग से जीवन को संतोष प्राप्त होता है। इससे मानव दरिद्रता के स्थान पर खुशहाल जीवन व्यतीत करता है। परिश्रम से समाज उन्नति की ओर अग्रसर हाता है। राज्य विकासपरक कार्यों हेतु पर्याप्त राजस्व जुटा पाता है जिससे विकास की गंगा बहती है। उद्योग से देश का आधारभूत ढाँचा तैयार होता शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, यातायात के साधन विकसित होते हैं। उद्योग लगाकर पर्याप्त उत्पादन किया जाता है। यह देश के उपभोग और निर्यात हेतु उपलब्ध होता है। इससे देश में खुशहाली आती है।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  छात्र पढ़ें और मनन करें।

❑

7. एलबम

(क) 1. (ii) अस्सी
2. (i) शादीराम के भाई को
3. (ii) दस
4. (iii) लाला सदानंद
5. (ii) पंडित शादीराम

(ख) 1. पुरोहित लाला सदानंद के 500 रुपये लौटा नहीं पा रहे थे।
2. वे इस बात से डरते थे मानो रुपये उन्हीं को देने हो।
3. शादीराम को पाँच सौ की रकम देनी थी।
4. शादीराम गरीब थे परन्तु दिल के बुरे नहीं थे। वे अपना कर्ज चुकाना चाहते थे परन्तु परिस्थितियों से विवश थे।

(ग) 1. (i) पंडित शादीराम की अलमारी में बंगला, हिंदी और अंग्रेजी की मासिक पत्रिकाएँ थीं।
(ii) चित्रों की एलबम बनाइये यदि किसी शौकीन को पसंद आ गई तो हजार दो हजार रुपये आसानी से कमा सकते हो।
(iii) सांझ के बाद वह लालाजी के पास गए और उनके सामने रुपये रख दिए और उनसे उधार के रुपये वापस लेने का निवेदन किया।
(iv) पंडित जी लाला जी के सिरहाने एलबम देखकर आश्चर्यचकित रह गए जो उन्होंने मारवाड़ी को भेजी थी।

(v) लाला सदानंद का पात्र ज्यादा अच्छा है क्योंकि उसने पंडित की विवशता जानकर बिना उनके स्वाभिमान को ठेस पहुँचाए उन्हें एलबम बनाने का विचार दिया फिर स्वयं उसे खरीद लिया। पंडित जी को पैसे भिजवा दिए।

2. (i) पंडित जी रोज सोचते थे कि एलबम खरीदने वाली कोई चिट्ठी आएगी। दिन बीत जाता और कोई चिट्ठी नहीं आती थी। रात में यह उम्मीद सड़क पर धूल की भाँति बैठ जाती थी अर्थात् आशा, निराशा में बदल जाती थी।

(ii) पंडित शादीराम ने लाला जी के सामने रुपये रखकर कहा कि वे अपने 500 रुपये उधार के ले लें जिससे वह कर्ज के बोझ से कुछ हल्के हों अर्थात् ऋणमुक्त हों।

- **भाषा कौशल**

आह	विश्वता	डरते	रोने
आशा	निराशा	आनंद	आंसू
बेसुध	आश्चर्य	ठण्डी सांस	

(ङ) रुपया र् + उ + प + इ + य् + आ
पैसा प् + ऐ + स् + आ
आँखे आ + आँ + ख् + ऐ
साँस स् + आँ + स् + अ

(च) रुपये चित्रों
समाचारों पैसे

(छ) 1. दुकानदार ने जींस के इतने दाम बताए कि छात्र ठण्डी आह भरने लगे।
2. पड़ोसी का बेटा दरोगा क्या हुआ श्यामू के हृदय पर बरछियाँ चलने लगी।
3. अभय को सुरेश ने इलाज कराके बचा लिया जबकि वह सुरेश का विरोधी था, अब अभय आँखे न उठा सका।
4. संजय के विश्वासघात से अर्जित के हृदय को चोट लगी।

(ज) 1. लाला सदानंद बीमार थे।
2. लाला सदानंद को कुछ देर बाद होश आया।
3. उन्होंने एक ठण्डी साँस भरी।
4. आप झूठ बोल रहे हैं।

(झ) छात्र स्वयं लिखें।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

छात्र स्वयं करें।

- **कला समन्वय**

छात्र स्वयं करें।

❑

8. भगतसिंह के पत्र

(क) 1. (ii) कुलबीर सिंह
2. (ii) पंजाब
3. (ii) 22 मार्च, 1931
4. (iii) भगतसिंह
5. (ii) 23 मार्च, 1931

(ख) 1. संसार में कोई बीमार है, कोई अपंग है, कोई बेरोजगार, कोई कर्ज में जैसे अनेक संकटों में फँसे हैं वे भी जी रहे हैं।
2. माँ और भाई कुलबीर को मुलाकातों से संतोष नहीं मिला, जब पूरे वर्ष मुलाकातों से भी संतोष नहीं मिला तो दो-चार और मुलाकातों से भी दिल को संतोष नहीं मिल पाएगा।
3. यह पत्र भगतसिंह ने अपने भाई कुलबीर सिंह को लिखा।
4. इस पत्र को लिखने का उद्देश्य भाई और माँ को ढाढ़स दिलाना है।

(ग) 1. भगतसिंह की माँ जेल में भगतसिंह से मिलने गई थीं।
2. भगतसिंह ने समझाया कि अकेले वे विपत्ति में नहीं है, हजारों लोग संकटों से घिरे हैं किसी को बीमारी, किसी के ऊपर कर्ज, किसी पर रोजगार की कमी, किसी की घोर गरीबी आदि।
3. हिंदुस्तानी माताएँ अपने बच्चों को भगतसिंह जैसा बनाने की आरजू करेंगी।
4. देश और मानवता के लिए कुछ करने की हसरत थी, वह उनके हृदय में बाकी रह गई।
5. भगतसिंह कहते हैं कि अब तो बहुत बेसब्री से उन्हें फाँसी की प्रतीक्षा है, उनकी इच्छा है यह और जल्दी पूरी हो जाए अर्थात् उन्हें जल्दी से फाँसी हो जिससे वह अपना कर्त्तव्य पूरा कर सकें।

(घ)

हसरत	मुलाकात	फायदा
नुकसान	फैसले	इजाजत

(ङ)

जगमग	+	आहट	—	जगमगाहट
टकराना	+	आहट	—	टकराहट
कड़वा	+	आहट	—	कड़वाहट
छटपटाना	+	आहट	—	छटपटाहट

(च)

प्रार्थना	मुर्दा
निराशा	आजाद
सुख	मृत
सुकून	परतंत्र

(छ) 1. अभिलाषा पूरी होने पर वह साईं दरबार गया।
संघर्ष करना जीवन की एक कटु सच्चाई है।

2. (i) विजय और नवीन साथ स्कूल जाते हैं।

(ii) मेरी तबियत ठीक नहीं थी इसलिए मैं स्कूल से घर हॉफ टाइम के बाद आ गया।

(iii) भगतसिंह और सुभाष चंद्र बोस को भारतवासी पूजते हैं क्योंकि वे महान देशभक्त थे।

(iv) भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव को 23 मार्च, 1931 को फांसी दी गई।

(v) सुदेश ने रवि से पैसे उधार लिए क्योंकि उसकी तनख्वाह नहीं मिली थी।

(ज) भगतसिंह चंद्रशेखर राजगुरु

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
छात्र स्वयं करें।
- **कला समन्वय**
छात्र स्वयं करें।

❑

9. मैं सबसे छोटी होऊँ

(क) 1. (iii) माँ का
2. (ii) परियों की
3. (iii) पल्लव
4. (ii) माँ की

(ख) 1. उपर्युक्त पद्यांश के रचयिता कवि सुमित्रानंदन पंत हैं।

2. माँ बच्चों को हाथ पकड़कर उनके साथ हमेशा घूमती है। अपने हाथ से उन्हें खिलाती है, मुँह धुलाती है, धूल पोछती, शरीर को सजाती है। वह उन्हें खिलौने देती है। माँ परियों की कहानी भी सुनाती है।

3. बच्चे माँ से स्नेह चाहते हैं। बिना लोभ के आँचल में छिपा रहना चाहते हैं। बिना डरे कहे कि उगता चंद्रमा दिखा दें।

4. हस्त, हाथ
मुख, मुँह

(ग) 1. 1. छोटी बालिका माँ के साथ इसलिए फिरती है कि वह छोटी है जिससे उसके सभी कार्य खाना, पीना, उसे सजाना, खिलौने देना और परियों की कहानी सुनाना सब माँ करती है।

2. माँ उनके साथ ज्यादा समय बिताती है। उनका हर प्रकार से ध्यान रखती है।

3. माँ समझती है कि अब बच्चे समझदार हो गए हैं अब वे अपना कार्य स्वयं करने लायक हैं दूसरे वे अब कहीं खोएँगे भी नहीं।
4. बच्ची माँ से चाहती है कि वह इतनी बड़ी न हो जाए जिससे वह माँ का दुलार खो दे। वह बिना लोभ के माँ के आँचल में छिपी रहे। वह बिना डरे कह सके कि माँ उगता चंद्रमा उसे दिखा दे।

2. बनाकर पहले हमको
पीछे छलती है मात।
हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन!

(घ) सोऊँ — फिरती
हाथ — धुला
रात — बात

(ङ) कुसुमित — खाना खिलाना
प्रेमभाव — अनुराग
देश या प्रांत का एक भाग — नदी का किनारा

(च)

माता	जननी
हस्त	कर
दिवस	वासर
निशा	रजनी

(छ) माँ मैं सदा तेरे साथ फिरूँ, तेरा हाथ कभी न छोड़ू।
हमारा हाथ पकड़कर माँ फिर हमारे साथ दिन-रात नहीं फिरती।

(ज) छात्र स्वयं करें।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
छात्र स्वयं करें।

❑

10. डॉ० राधाकृष्णन्

(क) 1. (ii) शिक्षक-दिवस
2. (iv) ये सभी
3. (ii) उन्होंने हाथ जोड़कर वहाँ उपस्थित भारतीयों का अभिवादन किया।
4. (iii) सन् 1963
5. (ii) विंडसर पैलेस

(ख) 1. विद्वता
2. शिक्षक दिवस
3. भारतीय
4. महान विद्वान राष्ट्रपति
5. सर

(ग) 1. डॉ० राधाकृष्णन् का जन्मदिन 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
2. डॉ० राधाकृष्णन् ने भारत के सर्वोच्च पद 'राष्ट्रपति' को सुशोभित किया।
3. डॉ० राधाकृष्णन् एक आदर्श शिक्षक के रूप में सम्पूर्ण विश्व में सम्मानित रहे। इसलिए उनका जन्मदिन हमारे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।
4. डॉ० राधाकृष्णन् एकाएक वहाँ उपस्थित भारतीयों की ओर मुड़ गए और उन्होंने हाथ जोड़कर सबका अभिवादन किया। जबकि रानी और उनके पति कार की ओर बढ़े क्योंकि उन्हें राष्ट्रपति के साथ बंकिघम पैलेस जाना था।
5. बंगाल के गवर्नर लॉर्ड इर्विन ने राधाकृष्णन् के बारे में कहा सभी पुलिस-रिपोर्ट उनके विरुद्ध हैं मगर वे उन्हें पसंद करते हैं।
6. विडंसर पैलेस में उन्होंने राजकुमारों तथा राजकुमारियों के सर पर हाथ फेरा जैसे भारतीय लहजे में प्यार किया। दूसरे वे स्वयं अपनी पुस्तकों के प्रकाशक 'एलन एण्ड अन्विन' के ऑफिस स्वयं पहुँच गए।

(घ) श्री एलन स्वयं बाहर आए और अपने दरवाजे पर महान् विद्वान् राष्ट्रपति को इतनी सहजता से खड़ा देख चकित हो गए। फिर संयत होकर विनम्र भाव से बोले, ''महोदय, आप मेरे ऑफिस तक चलकर आए। आपने मुझे पहले ही कहलवा क्यों नहीं दिया? मैं आपके स्वागत की समुचित व्यवस्था तो कर लेता।''
डॉ० राधाकृष्णन् को जैसे इन सबकी कोई इच्छा ही न हो, ऐसा प्रदर्शित करते हुए वे मुस्कराकर कहने लगे, ''स्वागत-व्यवस्था की बात छोड़िए। यह बताइए, मेरी पुस्तकों के सम्बन्ध में यहाँ के पाठकों की क्या राय है?''

(ङ)

विद्वता	आशीर्वाद
प्रतीक्षा	उच्चायुक्त
प्रविष्ट	निश्छलता

(च) छात्र स्वयं करें।

- **कला समन्वय**
  छात्र स्वयं करें।

❑

11. एक ग्रीक कैदी

(क) 1. (ii) यूनान
2. (iii) घोड़ा

3. (ii) भटियारे का
4. (ii) कैदी ने
5. (ii) ठंडा

(ख) 1. बादशाह का नाम फिलिप था।
2. हीरे के अंदर एक जिंदा कीड़ा था।
3. बन्दी
4. एक ग्रीक कैदी, माखन-लाल चतुर्वेदी

(ग) 1. यूनान के बादशाह का नाम फिलिप था। उसने राज्य के एक विद्वान् आदमी को कैद कर रखा था।
2. राजा फिलिप को घोड़ा स्पेन के राजा ने भेंट किया।
3. कैदी ने बताया कि घोड़े की परवरिश गधे के दूध से हुई है।
5. राजा फिलिप भटियारे की औलाद थे।
6. हीरा गरम था, अत: उसने सोचा इसमें कोई जिंदा जीव है, क्योंकि हीरा आमतौर पर ठंडा होता है।

(घ)

1.	कैदी ने	राजा फिलिप से
2.	कैदी ने	जहाँपनाह फिलिप से
3.	राजा	कैदी से
4.	कैदी	राजा से

(ङ)

रानी	महारानी
विदुषी	घोड़ी
लड़की	माता

(च)

आजाद	मुर्दा
दोष	असंतोष
झूठी	नकली
नापसंद	अविश्वास
गरम	ऊपर
सर्दी	असत्य

(छ)

मानव	व्यक्ति
नृप	महीपति
तुंग	अश्व
कर	हस्त
पय	क्षीर

(ज) 1. घोड़े रेस में दौड़ते हैं।
2. कैदियों ने 15 अगस्त को सामूहिक गान प्रस्तुत किया।
3. रोटियाँ सब्जी से खाकर भूख मिटती है।

4. कीड़े खाद्य पदार्थों को खराब कर देते हैं।
5. व्यक्तियों को स्वादिष्ट भोजन परोसे गए।

(झ) 1. एक आदर्श राजा ईमानदार होना चाहिए।
2. राजा न्यायकारी होना चाहिए।
3. राजा बुद्धिमान होना चाहिए।
4. राजा वीर होना चाहिए।
5. राजा दयालु होना चाहिए।
6. राजा में हाजिर जवाबी होनी चाहिए।
7. राजा में व्यवहारिक बुद्धि होनी चाहिए।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  छात्र स्वयं करें।
- **कला समन्वय**
  छात्र स्वयं करें।

❑

12. फूल का मूल्य

(क) 1. (ii) सुदास
2. (iii) कमल का
3. (iii) वट
4. (i) एक माशा सुवर्ण पर
5. (ii) भगवान बुद्‌ध

(ख) 1. वह अपलक भाव से भगवान बुद्‌ध को निहार रहा था।
2. वह राजमहल के सामने से आया था।
3. वह साधु गौतम बुद्‌ध थे।
4. वह वहाँ कमल का फूल गौतम बुद्‌ध के चरणों में अर्पित करने आया था।

(ग) 1. वह फूल को राजा को भेंट कर मुँह माँगा मूल्य प्राप्त करने का आकांक्षी था।
2. उसने राजा को समझाया कि वे दोनों ही भगवान बुद्‌ध के दर्शन करने आए हैं। वे दोनों यहाँ राजा और प्रजा के रूप में नहीं खड़े हैं।
3. भक्तजन और राजा भगवान बुद्‌ध के दर्शन करने जा रहे थे।
4. सुदास ने सोचा जिसके लिए भक्तजन और राजा फूल को इतनी बड़ी कीमत पर खरीद रहे हैं, वह कितना धनवान होगा? उसके चरणों में यह पुष्प रखकर ना जाने कितना मूल्य मिल जाये?
5. वह भगवान बुद्‌ध के स्वरूप को देखकर लालच भूल गया अत: उसने पुष्प का मूल्य न माँगकर उनकी चरण की धूल का एक कण माँग लिया।

(घ) 1. शीतकाल के दिन थे। प्रचंड शीत से पुष्प सूख गए थे।

2. मुस्कान भरे मधुर स्वर में भगवान बुद्ध ने सुदास से पूछा "हे पुत्र! कुछ कहना है, कुछ चाहिए?" उसने कहा "और कुछ नहीं आपके चरण धूल का एक कण"।

(ङ) 1. स + उ + व् + अ + र् + ण् + अ

प् + र + फ् + उ + ल् + ल

2. प् + र् + अ + द् + आ + न् + अ

प् + ऊ + र् + ण् + अ

ख् + अ + र् + च् + अ

प् + र् + अ + स् + त् + उ + त् + अ

श् + र् + अ + इ

क् + ष् + अ + म् + आ

3. निर्निमेष

अभिलाषी

राजमहल या राजनिवास

माली

(च)

शीत	कोकिल
मूल्य	स्वर्ण
पुष्प	भक्त

(छ) 1. सुदास जल्दी-जल्दी चलकर राजमहल आया।

2. अरे! अभी तक कोई राजमहल के बाहर नहीं निकला।

3. ये सब कहाँ जा रहे हैं?

4. स्त्री-पुरुष, बूढ़े, बच्चे सभी कहाँ जा रहे हैं।

(ज) गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के राजा शुद्धोधन के यहाँ लुम्बिनी नामक ग्राम में हुआ था। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। इनकी माता का नाम महामाया था। सिद्धार्थ जन्म से ही चिन्तनशील थे। अत: 16 वर्ष की आयु में इनका विवाह यशोधरा नामक सुंदर कन्या से कर दिया गया। इनके राहुल नामक पुत्र हुआ। इनका मन संसार में नहीं लगा और 29 वर्ष की आयु में इन्होंने गृह त्याग दिया।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

छात्र स्वयं करें।

❑

13. एकता में बल

(क) 1. (i) पानी की एक बूँद के माध्यम से
2. (ii) तालाब
3. (ii) उनमें सागर की-सी ताकत आ गई।
4. (ii) पंछी
5. (i) आँगन की

(ख) 1. करोड़ों 2. ताकत 3. पंछी 4. उड़ा
5. माटी

(ग) बूँद-बूँद से सागर बनता है। फूल-फूल से फुलवारी खिलती है। घर-घर से बस्ती दिखती है। एकता में ही शक्ति होती है। आशय है—बूँद-बूँद जल से सागर बन जाता है। फूल-फूल खिलने से फुलवारी खिल उठती है। घर-घर मिल जाए तो एक बस्ती बन जाती है। एकता में ही शक्ति होती है।

(घ) 1. अकेली बूँद को पंछी पी गया।
2. बूँद को पुरवैया उड़ा ले गई।
3. उनमें सागर सी ताकत आ गई।
4. फूल-फूल से चमन खिलता है।
5. घर-घर से बस्ती दिखती है।

(ङ) 1. दिवस
अकिंचन या अत्यन्त गरीब
2. खराब
खाने वाला बूरा (मीठा पदार्थ)
3. बराबर
वस्तुएँ
4. श्वास
लड़की के पति की माँ
5. दयालु
लिया गया धन या वस्तु
5. तादात
साक्ष्य

(च)

जल	तोय	नीर
जलधि	समुद्र	पयोधि
पुष्प	प्रसून	सुमन
गृह	निवास	सरन

- **विचार कौशल**
छात्र स्वयं करें।
- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
छात्र स्वयं करें।

❑

14. अस्थिदान

(क) 1. (iii) ब्रह्माजी के
2. (iv) गोमती
3. (ii) दधीचि की
4. (ii) वृत्रासुर
5. (iii) महर्षि दधीचि

(ख) 1. इन्द्र ने ब्रह्मा जी से 2. इन्द्र ने दधीचि से
3. इन्द्र ने दधीचि से 4. ब्रह्मा ने इन्द्र से

(ग) 1. दधीचि महान तपस्वी एवं त्यागी ऋषि थे। उन्होंने तपस्या से अपार शक्ति प्राप्त कर ली थी। ब्रह्मा ने देवताओं को उनकी अस्थियों के लाने के लिए भेजा।
2. इन्द्र ने कहा कि ''महर्षि ब्रह्माजी ने कहा है कि यदि आप की अस्थियों से वज्र बनाया जाए तो वृत्रासुर का वध किया जा सकता है।''
3. इन्द्र की बात सुनकर दधीचि का चेहरा कांतिमय हो गया और रोम-रोम प्रलकित हो गया।
4. महर्षि ने इन्द्र को उनकी इच्छा पूरी होने का आश्वासन दिया तथा इसे अपने लिए गौरवपूर्ण बताया।

(घ) 1. देवता धर्म का राज्य बनाए रखना चाहते थे जिससे लोगों का भला होता रहे जबकि असुर अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहते थे। वे पापी और अत्याचारी थे।
2. असुरों की सेना का नायक वृत्रासुर बहुत शक्तिशाली और पराक्रमी था।
3. नैमिषारण्य वन में गोमती नदी के तट पर दधीचि ऋषि का आश्रम था वहाँ का वातावरण शान्त्र एवं पवित्र था।
4. ब्रह्माजी ने असुरों को पराजित करने के लिए दधीचि की अस्थियों से वज्र बनाकर वृत्रासुर का वध करने का उपाय बताया।
5. महर्षि दधीचि ने वृत्रासुर का वध करने के लिए अपनी अस्थियों का दान कर दिया।

(ङ)

धर्मज्ञ	देवत्व	आतंकी
निर्माणाधीन	पराक्रमी	त्यागी

(च)

उद्देश्य	विधेय
1. निराश	ब्रह्माजी
2. उपाय	इन्द्र
3. बहुत शक्तिशाली	वृत्रासुर
4. हताश	ब्रह्माजी

(छ)

अधर्म	सदाचारी
असफलता	निर्माण

(ज) वृक्ष कभी अपने फल नहीं खाता नदी अपना पानी स्वयं नहीं पीती दूसरों के उपकार के लिए साधू शरीर धारण करते हैं।

केवल अपने आप खाना पशु प्रवृत्ति है अर्थात् अपने लिए जीना पशु के समान है। मनुष्य तो वही जो मनुष्य के लिए मरे अर्थात् मनुष्य वही है जो औरों के लिए जिये।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

छात्र स्वयं करें।

❑

15. तमिलनाडु

(क) 1. (iii) केरल
2. (i) रामायण से
3. (iii) भरतनाट्यम
4. (ii) पोंगल
5. (ii) बाईस

(ख) 1. रामेश्वरम तमिलनाडु का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है।
2. रामेश्वरम में अरब सागर, हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी के संगम पर कन्याकुमारी मंदिर है।
3. रामेश्वरम में अरब सागर, हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी के संगम पर कन्याकुमारी मंदिर है, इसलिए यहाँ की रेत अलग-अलग है।
4. तमिलनाडु का प्राकृतिक वातावरण मनमोहक है। सूर्योदय का दृश्य अत्यन्त मनोहारी है जिसे देखने अनेक पर्यटक आते हैं।

(ग) 1. तमिलनाडु में मंदिरों की प्रचुरता है अत: इसे मंदिरों का राज्य भी कहते हैं।
2. तमिलनाडु में कोडईकनाल तथा उदगमंडलम (ऊटी) प्रसिद्ध पर्वतीय स्थल है।।
3. तमिलनाडु का मुख्य व्यवसाय कृषि है।
4. तमिलनाडु के निवासी सीधे-सादे, परिश्रमी, ईमानदार और व्यवहार कुशल हैं।
5. यहाँ का मुख्य त्यौहार पोंगल है। यह जनवरी माह में मनाया जाता है।

(घ)

प्राकृतिक	भारतीय
धार्मिक	पर्वतीय
लौकिक	शास्त्रीय
सांस्कृतिक	सुंदरता
विशेषता	भव्यता

(ङ)

संस्कृतियाँ	केले
मूर्तियाँ	बगीचें
पहाड़ियाँ	झरनें
लकड़ियाँ	कपड़ें
रस्सियाँ	महीनें
मछलियाँ	कतारें
साड़ियाँ	दीवारें
राजकुमारियाँ	झीलें
नदियाँ	फसलें

(च)

विशेषण	**विशेष्य**
विशाल	दृश्य
धार्मिक	मंदिर
मनमोहक	लकड़ी
इमारती	स्थल

(छ) 1. वृक्षों के झुरमुट में बंदरों का झुण्ड बैठा है।
2. पहाड़ों पर पर्यटकों का आना-जाना रहता है।
3. मंदिर के प्रांगण में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या थी।

(ज) 1. अकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया
3. अकर्मक क्रिया 4. अकर्मक क्रिया

(झ) छात्र स्वयं करें।

- **विचार कौशल**
  छात्र स्वयं करें।
- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  छात्र स्वयं करें।

❑

16. भारतीय वैज्ञानिक

(क) 1. (iii) पी-एच०डी० की
2. (iii) सात
3. (ii) वनस्पति विज्ञान
4. (ii) सन् 1954
5. (iii) बीरबल साहनी

(ख) 1. (i) यह विवरण डॉ० होमी जहाँगीर भाभा के सम्बन्ध में है।
(ii) इनका जन्म मुम्बई में हुआ था। इन्होंने इण्टरमीडिएट तक की शिक्षा मुम्बई से ग्रहण की। 1930 में इंग्लैण्ड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से बी०एस-सी० की परीक्षा उत्तीर्ण की।
(iii) खोज और अध्ययन के लिए इन्होंने भौतिक विज्ञान का विषय चुना।

2. (i) उपर्युक्त कथन प्रोफेसर बीरबल साहनी के सम्बन्ध में है।
(ii) पण्डित नेहरू तत्कालीन प्रधानमन्त्री ने 'पुरा-वनस्पति विज्ञान मंदिर' की स्थापना में सहयोग दिया।
(iii) इसका शिलान्यास 2 अप्रैल, 1949 को लखनऊ में किया गया।
(iv) प्रोफेसर साहनी का देहांत 9 अप्रैल, सन् 1949 को हुआ। इनकी स्मृति में भारत के सर्वश्रेष्ठ वनस्पति वैज्ञानिक को 'बीरबल साहनी' पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

(ग) सी०वी० रमन सामान्यत: समुद्र के जल के नीलेपन की कल्पना में तल्लीन हो जाते थे आशय ये है कि इस जल के नीले स्वरूप पर चिन्तन, मनन करते थे, यही नीलापन उनके आविष्कार का कारण बन गया।

(घ) 1. डॉ० भाभा ने अंतरिक्ष किरणों पर शोध किया।
2. डॉ० भाभा के निर्देशन में 'अप्सरा', 'सिरस' तथा 'जरलीना' नामक परमाणुविक रिएक्टरों की स्थापना हुई।
3. सूर्य के प्रकाश में समुद्र के पानी पर प्रभाव को रमन इफेक्ट के नाम से जाना जाता है।
4. प्रोफेसर बीरबल साहनी को भारतीय पुरा वनस्पति का जनक माना जाता है।

(ङ) 1.

पीताम्बर	पीत और अम्बर
राम-श्याम	राम और श्याम
चतुरानन	चतुर और आनन
माता-पिता	माता और पिता

2.

विद्या + आलय = विद्यालय	(संधि)
पंच + तंत्र = पंचतंत्र	(समास)
रमा + इश = रमेश	(संधि)
नव + रात्र = नवरात्र	(समास)
नि: + रोग = निरोग	(संधि)
महा + देव = महादेव	(समास)
सम् + तोष = संतोष	(संधि)
पंच + तत्त्व = पंचतत्त्व	(समास)

(च)

गहन अध्ययन	सुदूर आकश
फूटना	जिसके आर-पार देखा जा सके

(छ) इलेक्ट्रॉन — रिसर्च
स्मृति — प्रान्त

- **विचार कौशल**
  छात्र स्वयं करें।
- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  छात्र स्वयं करें।

❑

17. कोयल

(क) 1. (ii) आमों में
2. (ii) काला
3. (i) माँ ने
4. (ii) मेघों से
5. (iii) कोयल

(ख) 1. हम सबको कोयल की मीठी बोली अच्छी लगती है।
2. कोयल कूक-कूककर आमों में मिठास करती है।
3. कोयल को मीठा बोलना उसकी माँ ने सिखाया होगा।
4. कोयल बहुत भली है जिसने माँ की बात सदा मानी है अत: सब चिड़ियों की रानी कहलाती है।

- **भाषा कौशल**

(ग) सफेद — रात
कड़वी — बुरा
झूठ — ज्यादा

(घ) पृथ्वी — धरा
जलद — बादल
अंबु — तोय

(ङ) छात्र ध्यान दें।

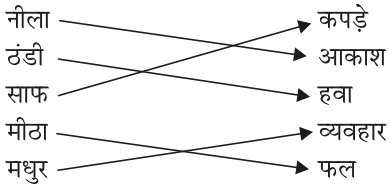

(च) 1. कोयल की मीठी वाणी सबको प्रिय होती है।
2. आम, फलों में मुझे सर्वाधिक पसंद है।

3. बोली में मिठास से व्यक्ति सबका दिल जीत लेता है।
4. पानी हमेशा स्वच्छ पीना चाहिए।

- **कला समन्वय**

तोता—रटने और नकल करने
कोयल—मीठी बोली
मोर—नाचने के लिए

❑

18. मृत्यु से संवाद

(क) 1. (ii) अश्वपति
2. (iii) सत्यवान
3. (i) यमराज की
4. (ii) सौ पुत्रों का
5. (iv) सत्यवान

(ख) 1. सावित्री के पिता का नाम अश्वपति तथा सत्यवान के पिता का नाम द्युमत्सेन था।
2. सावित्री के पति की आयु का केवल एक वर्ष ही बचा था।
3. सावित्री ने माँगा कि उसके ससुर का राज्य धोखे से छीन लिया गया है वह उन्हें वापस मिल जाये।
4. यमराज ने सावित्री को 100 पुत्रों का वरदान दे दिया जबकि सत्यवान को वो ले जा रहे थे। अत: बिना पति के यह कैसे सम्भव होता।
5. दृढ़ प्रतिज्ञा से असम्भव कार्य सम्भव बनाया जा सकता है।

(ग) 1. (i) अश्वपति
2. (ii) सत्यवान
3. (iii) सौ

(घ)

सुधी	कोविद
अरण्य	वन
तन	काया
परमात्मा	सच्चिदानंद
निश्चय	इरादा

(ङ) 1. आखिरी 2. भयानक
3. काली 4. नेत्रहीन

(च) 1. कि 2. कि 3. की

(छ) 1. चलूँगी 2. बोले 3. देता 4. चलाएँगे
5. बैठा

(ज) छात्र स्वयं करें।

- **जीवन कौशल**
  छात्र स्वयं करें।

❑

19. मैडम क्यूरी

(क) 1. (iv) जस्ता
2. (iii) स्वर्ण-पदक
3. (ii) पेरिस

(ख) 1. पोलेण्ड 2. विज्ञान 3. अध्यापक 4. उच्च शिक्षा
5. रेडियम

(ग) 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗)
6. (✓) 7. (✓) 8. (✗)

(घ) 1. बचपन में मैडम क्यूरी का नाम मारिया था।
2. बचपन से मारिया को विज्ञान में रुचि थी।
3. मारिया ने एक धनी परिवार के बच्चों को पढ़ाकर धन का प्रबंध किया।
4. मैडम क्यूरी ने रेडियम का आविष्कार किया।
5. उन्हें इस खोज के लिए नोबेल पुरस्कार मिला।

(ङ) 1. प्रारम्भिक 2. उपयोगी 3. वैवाहिक 4. रूसी
5. व्यापारिक

(च) 1. नवान्वेषण 2. प्रयोगशाला 3. वैज्ञानिक 4. दम्पति
5. मातृभाषा

(छ)

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
लड़का	लड़की	निरीक्षक	निरीक्षिका
अध्यापक	अध्यापिका	पिता	माता
पति	पत्नी	बालक	बालिका

- **विचार कौशल**
  छात्र स्वंय करें

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  ग्लोबल वार्मिंग से आशय पृथ्वी के तापमान के बढ़ने से है। जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं और समुद्र के आसपास के इलाके और टापू डूब रहे हैं। इससे मालदीव और मॉरीशस जैसे द्वीपों को खतरा पैदा हो गया है।
  1. इसे रोकने हेतु वायु प्रदूषण रोकना होगा।

2. औद्योगिक प्रदूषण रोकने के लिए समुचित तकनीक का इस्तेमाल करना होगा।
3. वाहनों में पेट्रोल के स्थान पर सी०एन०जी० व इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग करना होगा।
4. वनों का विस्तार करना होगा शहरी इलाकों में भी हरियाली लानी होगी।

❑

20. वर्षा ऋतु

(क) 1. (ii) वर्षा ने
2. (iv) किसान
3. (iv) बादल
4. (iii) बहते पानी में
5. (ii) बिजली

(ख) 1. हमें दु:ख और सुख में एकसमान रहना चाहिए।
2. वर्षा ने सिखाया है दु:ख में न घबराना, सुख में न इतराना वर्षा ने सिखलाया, जनहित में बरस जाना।
3. खेत खलिहानों में हरियाली आने लगती है, तालाब, नहर और नदी जल से भरने लगते हैं। वर्षा के आने पर किसान गीत गाने लगे, दादुर झींगुर सभी मोर के साथ नाचने लगे।
4. वर्षा होने पर बच्चे बहते पानी में नाव चलाने लगते हैं।

(ग)

ऋतु आयी	खलिहानों में
बादल छाने	हरियाली
आँगन में	नहर और नदी
पानी	जल से

(घ) 2. जनहित में बरसाना
3. नाव बनाने लगे
4. दीप सी लगती है।

(ङ)

वर्षा	धरती
बादल	पानी
नदी	मोर

(च)

किसानों	खलिहानों
खेतों	नहरें
नदियाँ	बच्चे
नावें	पत्ते

(छ) छात्र स्वयं करें।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**

छात्र स्वयं करें।

❑

21. वीर अभिमन्यु

(क) 1. (ii) अर्जुन का
2. (ii) द्रोणाचार्य ने
3. (ii) जयद्रथ
4. (iii) छः
5. (iii) भीम

(ख) 1. महाभारत का युद्ध कौरवों और पांडवों के मध्य हुआ।
2. चक्रव्यूह तोड़ना केवल अर्जुन जानते थे जो उस वक्त नहीं थे।
3. दुर्योधन ने अपने सात महारथियों से कहा एक साथ मिलकर अभिमन्यु पर वार करें।
4. क्योंकि निहत्थे अभिमन्यु पर हमला किया जा रहा था।
5. 1. साहसी 2. वीर 3. नैतिकता से पूर्ण

(ग) 1. अर्जुन 2. महाभारत 3. द्रोणाचार्य 4. जयद्रथ 5. सात

(घ) 1. कठिन कार्य करके संतोष प्राप्त होता है।
2. पराक्रमी अभिमन्यु ने कौरवों को छठी का दूध याद दिला दिया।
3. तरीका अनुचित होने पर सफलता का कोई महत्त्व नहीं।
4. आज्ञा पाकर अभिमन्यु युद्ध क्षेत्र में गया।

(ङ)

महारथी	सैनिक
पुरुष	पुत्र
कौरव	पाण्डव

(च)

अर्जुन	पराक्रमी	द्रोणाचार्य	चक्र
गर्भ	चक्रव्यूह	दुर्योधन	वर्षा
वर्णन	जयद्रथ	शौर्य	

(छ)

विशेषण	**विशेष्य**
वीर	युक्ति
कठिन	बालक
भयंकर	अभिमन्यु
विशेष	द्रोणाचार्य
साहसी	कार्य
पराक्रमी	युद्ध
लाचार	पुरुष

- **विचार कौशल**

छात्र स्वयं करें।

- **जीवन कौशल एवं मूल्य**
  - अभिमन्यु के वीर, साहसी, पराक्रमी, मूल्यों में विश्वास करने वाला और परिवार के प्रति समर्पित जैसे गुणों को अपनाना चाहेंगे।
  - मनुष्य में वीरता का गुण होना आवश्यक है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में वीरता को आवश्यकता है। यदि हम कायर हैं तो हर लक्ष्य से भटक जाएँगे। वीर ही लक्ष्य को पाते हैं।

❑

22. चाँद का हठ

(क) 1. (i) माँ से
2. (ii) जाड़े की
3. (iii) चाँद की
4. (i) झिंगोला
5. (i) कुरता

(ख) 1. चाँद माँ से झिंगोले के लिए हठ करता है।
2. चाँद ठिठुर-ठिठुरकर किसी तरह अपनी यात्रा पूरी करता है।
3. चाँद का आकार घटता-बढ़ता रहता है।
4. चाँद की माँ ने चाँद से पूछा कि तेरा नाप किस दिन लिया जाए।

(ग) 1. ⟶ 4.
2. ⟶ 3.
3. ⟶ 2.
4. ⟶ 1.

(घ) ठुमक-ठुमककर
चहक-चहककर
सिहर-सिहरकर
बिफर-बिफरकर

(ङ)

चाँद	राकेश, शशि, निशाकर
हवा	वायु, समीर, पवन
आसमान	नभ, गगन, अंबर
रात	रात्रि, निशा, रजनी
बदन	देह, तन, शरीर

- **विचार कौशल**
  छात्र स्वयं करें।

❑

23. वर्षा-जल संचयन

(क) 1. (ii) मॉसिनराम में
2. (ii) रेन वाटर हारवेस्टिंग
3. (i) कर्नाटक और केरल में
4. (i) पानी
5. (iv) ग्यारह सौ मिलीमीटर

(ख) 1. कृषि क्षेत्र हो या औद्योगिक क्षेत्र, घरेलू उपयोग हो या कारखानों में प्रयोग हेतु जल की आवश्यकता बनी रहती है।
2. पानी को पृथ्वी की सतह के नीचे एकत्रित करते हैं।
3. हम प्रत्येक दैनिक कार्य में किफायत से जल की बचत कर सकते हैं।
4. वर्षा के जल को एकत्रित करने हेतु छत और आँगन में गिरने वाले बरसाती पानी को पाइपों के माध्यम से जमा किया जाता है। इसे पृथ्वी के नीचे भण्डारित किया जाता है।
5. बारिश के जल से लेकर भण्डारण तक जल को एकत्रित करना जलचक्र है।
6. वर्षा के जल को एकत्रित करके जल-संकट का समाधान कर सकते हैं।
7. सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से पानी को रिसाइकिल कर उसका उपयोग अन्य कार्यों में किया जा सकता है।

(ग) छात्र स्वयं करें।

(घ) 1.

कुएँ	संस्थाएँ
आँकड़े	नाले
नदियाँ	योजनाएँ

2. 1. गाँवों में प्रदूषण की समस्या न के बराबर है।
2. राज्यों में खुशहाली आ रही है।
3. विकासशील देशों में अधिकाधिक रोजगार देने की जरूरत है।
4. पेड़ों से मिट्टी का अपरदन रुकता है।

(ङ)

पानी	वारिद	सलिल
लोक	संसार	जगत
वारिद	मेघ	पयोधि
मंदाकिनी	तरिणी	सरिता
पोखर	ताल	पुष्कर

(च)

सर्वाधिक	अधिकांश
विद्यालय	साधिकार
अधिकाधिक	संचयन

(छ) जल और संकट
ऊर्जा और संसाधन
वर्षा और जल
पेयजल और योजनाएँ
जल और सम्पदा

(ज)

आपूर्ति	आ + गमन = आगमन
दुर्लभ	दुर् + गति = दुर्गति
प्रचलित	प्र + गति = प्रगति
अमूल्य	अ + चल = अचल
प्रतिवर्ष	प्रति + एक = प्रत्येक

(झ)

इन्द्र	चक्र	चक्रव्यूह
दिनचर्या	मुर्गा	दुर्गा
सौराष्ट्र	धृतराष्ट्र	राष्ट्र

- **कला समेकन**
  छात्र स्वयं करें।

❑

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-1

(क) 1. (ii) पीताम्बर
2. (i) प्रताप का भाई
3. (iii) काकी
4. (ii) राष्ट्रीय

(ख) 1. किसी भी कार्य को करने से पहले उसके परिणाम पर न सोचना, अर्थात् बिन विचारे कार्य करना।
2. मुँह पर उनके माखन लगा था।
3. बेकारी देश में आलस्य के वातावरण का कारण है।
4. वे रोजगारपरक शिक्षा के हिमायती थे।
5. बंगला, हिंदी, और अंग्रेजी मासिक पत्रिकाएँ थीं।

(ग) 1. देश के अन्य निवासी जो अनेक संकटों में फँसे हैं।
2. भगतसिंह की माँ और भाई की तबियत मुलाकातों से नहीं भरी।
3. भगतसिंह ने अपने भाई कुलबीर सिंह को यह पत्र लिखा।
4. इस पत्र को लिखने का उद्देश्य माँ और भाई को ढाढ़स देना है।

(घ) छात्र स्वयं करें।

(ङ)

कुसुमित	खाना खिलाना
प्रेमभाव	अनुराग
देश प्रांत का एक भाग	नदी का किनारा

(च)

माता	जननी
कर	हस्त
दिवा	दिवस
सति	रजनी

(छ) श्री एलन स्वयं बाहर आए और अपने दरवाजे पर महान् विद्वान राष्ट्रपति को इतनी सहजता से खड़ा देख चकित हो गए। फिर संयत होकर विनम्र भाव से बोले ''महोदय आप मेरे ऑफिस तक चलकर आए, आपने मुझे पहले ही कहलवा क्यों नहीं दिया? मैं आपके स्वागत की तो समुचित व्यवस्था तो कर लेता।''

डॉ० राधाकृष्णन को जैसे इस सबकी कोई इच्छा ही न हो, ऐसा प्रदर्शित करते हुए वे मुस्कराकर कहने लगे, ''स्वागत व्यवस्था की बात छोड़िए, यह बताइए मेरी पुस्तकों के सम्बन्ध में यहाँ के पाठकों की क्या राय है?''

(ज) 1. घोड़े मैदान में खड़े किए जाए।
2. राजा ने कैदियों को बुलवाया।
3. इसकी रोटियाँ बढ़ा दी जाए।
4. इसके अंदर कीड़े होने चाहिए।
5. विद्वान व्यक्तियों को बुलाओ।

❑

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-2

(क) 1. (ii) सुदास
2. (i) तालाब
3. (ii) दधीचि की
4. (i) रामायण से

(ख) 1. मंदिरों की प्रचुरता के कारण तमिलनाडु को मंदिरों का राज्य कहा जाता है।
2. इन्होंने अंतरिक्ष किरणों पर शोध किया।
3. कोयल बहुत भली और माँ की सदैव बात मानने वाली होती है, इसलिए उसे चिड़ियों की रानी कहा गया।
4. यमराज ने सावित्री को सौ पुत्रों का वरदान दे दिया जबकि वो सत्यवान को ले जा रहे थे। अत: बिना पति के सौ पुत्र कैसे होंगे?
5. दृढ़ निश्चय से असम्भव कार्य भी सम्भव बनाया जा सकता है। जैसे सावित्री ने यमराज से पति के प्राण वापस पा लिये।

(ग) 1. साधु का स्वरूप देखकर मंत्रमुग्ध हो गया।
2. वह राजमहल के बाहर से आया था।
3. वह साधु तथागत गौतम बुद्ध थे।
4. वह साधु के चरणों में कमल अर्पित कर के कुछ बहुमूल्य चीज प्राप्त करना चाहता था।

(घ) करोड़ों ताकत पंछी उड़ा
माटी

(ङ) प्रदान—प् + र् + अ + द् + आ + न् + अ
पूर्ण—प् + ऊ + र् + ण् + अ
खर्च—ख् + अ + र् + च् + अ
प्रस्तुत—प् + र् + अ + स् + त् + उ + त् + अ
श्री—श् + र् + अ + इ
क्षमा—क् + ष् + अ + म् + आ

(च) 1. विनिर्मेष 2. अभिलाषी 3. राजनिवास 4. माली

(छ)

1. वारिद	सलिल	तोय
2. जलधि	समुद्र	उदधि
3. पुष्प	प्रसून	कुसुम
4. गृह	धाम	निकेतन

(ज)

उद्देश्य	विधेय
निराश	ब्रह्माजी
उपाय	इन्द्र
बहुत शक्तिशाली	वृत्रासुर
हताश	ब्रह्माजी

❑